M.A. Sem-2

प्रश्नपत्र 8- प्रयोजनमूलक हिंदी **Core Course-06**

प्रस्तावना -भाषा के प्रयोजनपरक आयाम का संबंध हमारी सामाजिक आवश्यकताओं और जीवन व्यवहार-सापेक्ष सेवा माध्यम के रूप में प्रयुक्त होती है। उत्तर आधुनिक काल- से है और व्यक्तिपरक होकर भी जो समाजमें जीवन और समाज की विभिन्न आवश्यकताओं और दायित्वों की पूर्ति के लिए रोटी के लिए विभिन्न व्यवहार-रोजी , क्षेत्रों में उपयोग की जानेवाली प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध आयामों का अध्ययन अति आवश्यक है। इससे राष्ट्रभाषा तथा राजभाषा का संस्कार भी दृढ़ होगा।

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई 1–मीडिया लेखन

1. जनसंचार -प्रौद्योगिकी एवम् चुनौतियाँ।
2. विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप-मुद्रण ,दृश्य-श्रव्य ,इंटरनेट।
3. साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण।
4. -इंटरनेट .सामग्री सृजन।

ईकाई-2 मीडिया लेखन

1. श्रव्य माध्यम) रेडियो (मौखिक भाषा का प्रकृति ,समाचार-लेखन एवम् वाचन ,रेडियो नाटक। उद्घोषणा लेखन ,विज्ञापन-लेखन,फीचर तथा रिपोर्ताज।
2. दृश्य-श्रव्य माध्यम) फिल्म ,टेलीविजन एवम् वीडियो दृश्य,(माध्यमों में भाषा की प्रकृति ,दृश्य एवम् श्रव्य सामग्री का सामंजस्य ,पाश्व वाचन) वायस ओवर-पटकथा ,(लेखन ,टेली-ड्रामा-डॉक्यू ड्रामा ,संवाद-लेखन ,विज्ञापन की भाषा।

ईकाई - अनुवाद 3-सिद्धांत एवम् व्यवहार

1. अनुवाद का स्वरूप ,क्षेत्र ,प्रक्रिया एवम् प्रविधि।
2. हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।
3. कार्यालयी हिंदी और अनुवाद।

ईकाई-4 व्यावहारिक- अनुवाद-अभ्यास

1. व्यावहारिक- अनुवाद-गुजराती या अंग्रेजी से हिंदी में।
2. कार्यालयी अनुवाद- कार्यालयी एवम् प्रशासनिक शब्दावली ,प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ , पदनाम, विभाग।
3. पदनामों ,अनुभागों ,दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद।
4. सारानुवाद।

अंक विभाजन-

ईकाई 1 और 3 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)

ईकाई 4 और 2 से टिप्पणियाँ) चार विकल्प से दो×7) (2=14 अंक (

सभी ईकाईयों से संक्षिप्त प्रश्न (दस विकल्प से पाँच) (5×2=10 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1. प्रयोजनमूलक हिंदी:प्रासंगिकता एवम् परिदृश्य(मथुरा ,जवाहर पुस्तकालय) नागलक्ष्मी.सु.डॉ-
2. प्रयोजनमूलक हिंदी(दिल्ली ,क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी) कमल कुमार बोस-

3. हिंदी पत्रकारिता(दिल्ली ,भारतीय ज्ञानपीठ) कृष्ण बिहारी मिश्र-
4. प्रयोजनमूलक हिंदी:संरचना एवम् अनुप्रयोग राधाकृष्ण) रामप्रकाश एवम् डॉ दिनेशगुप्त.डॉ- प्रकाशन(नई दिल्ली ,
5. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता(दिल्ली ,वाणी प्रकाशन) दिनेश प्रसाद सिंह.डॉ-
6. प्रयोजनमूलक हिंदी(दिल्ली ,वाणी प्रकाशन) विनोद गोदरे-
7. प्रयोजनमूलक हिंदी:सिद्धांत और प्रयोग(दिल्ली ,वाणी प्रकाशन) दंगल झाल्टे-
8. मीडिया(दिल्ली ,संजय प्रकाशन) चंद्रप्रकाश मिश्र.डॉ-लेखन-
9. व्यावहारिक अनुवाद-डॉ.एन.ई.विश्वनाथ ऐयर
10. अनुवाद-विज्ञान-डॉ.भोलानाथ तिवारी
11. अनुवाद-बोध-डॉ.गार्गी गुप्त
12. अनुवाद-प्रक्रिया एवम् परिदृश्य.डॉ-रीतारानी पालीवाल वाणी)प्रकाशन(दिल्ली ,
13. दूरदर्शन की भूमिका-सुधीश पचौरी
14. जनसंचार-विविध आयाम-ब्रजमोहन गुप्त
15. मीडिया और साहित्य-सुधीश पचौरी
16. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ.हरिमोहन